ओ मेरे प्राण पिया,तुम हो गए हमपे फिदा
तेरे ही रहेंगे सदा,तेरे ही रहेंगे सदा

1- कैसी ये हांसी पिया,हम हो गए तुमसे जुदा
प्यारी निसवत की खातिर,तूने ग़म भी उठा ही लिया
कुछ समझ नहीं आता,कैसे दूं वफा का सिला

2- दुख दर्द भरे जग में, तेरा प्यार ही काफी है
कुछ और न हम चाहें,दीदार ही काफी है
इक मेहर नजर करके,पिया आप ही लेना उठा

3- फरामोशी में थी पिया,नहीं साहेबी का था पता
अब बख्शो मेरी ख़ता,दीजो अपना इश्क सदा
इत जाग के जान सकें,हमें निजघर है जाना

4-मेरा नहीं कुछ मुझमें,सब कुछ पिया तेरा है
हमें धाम को है जाना,जग झूठा बसेरा है
तेरी माया न अब भाये,तेरे प्यार को है पाना

Nijanand App